भारत-जापान द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा सहयोग

प्रिलिम्स के लिये:

भारत-जापान संबंध, क्वाड समूह।

मेन्स के लिये:

द्विपक्षीय समूह और समझौते।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और जापान रक्षा विनिर्माण सहित द्विपक्षीय सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने हेतु सहमत हुए।

//

बैठक की मुख्य बातें:

- दोनों पक्षों को अगले पाँच वर्षों में जापान से भारत में सार्वजनिक एवं निजी निवेश तथा वित्तपोषण हेतु 5 ट्रिलियन येन के अपने निर्णय को क्रियान्वित करने के लिये संयुक्त रूप से काम करना चाहिये।
- भारत ने ['गति शक्ति' पहल]() के माध्यम से व्यापार करने में आसानी और रसद में सुधार के लिये उठाए गए कदमों पर ज़ोर दिया तथा जापान से भारत में जापानी निवेश में वृद्धि हेतु आग्रह किया।
    - इस तरह के निवेश लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने में मदद करेंगे और पारस्परिक रूप से फायदेमंद होंगे।
- भारत ने इस बात की सराहना की कि जापानी कंपनियाँ भारत में अपना निवेश बढ़ा रही हैं और 24 जापानी कंपनियों ने विभिन्न[उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजनाओं]() के तहत सफलतापूर्वक आवेदन किया है।
- दोनों देशों ने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के कार्यान्वयन में प्रगति को देखा तथा इस परियोजना के लिये ऋण की तीसरी किश्त के आदान-प्रदान पत्र पर हस्ताक्षर किये।
- अगली पीढ़ी की संचार प्रौद्योगिकियों के विकास में दोनों पक्षों में निजी क्षेत्रों के बीच अधिक सहयोग को प्रोत्साहित करने पर सहमति हुई।

- साथ ही वे हरति हाइड्रोजन सहति स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को और बढ़ाने पर भी सहमत हुए।
- **वनिर्दिष्ट कुशल कामगार (SSW)** कार्यक्रम के कार्यान्वयन में हुई प्रगतपिर ध्यान दयिा गया तथा लोगों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देने के लयि इस कार्यक्रम को और बढ़ाने पर सहमतविय्क्त की।
- दोनों ही इस बात से सहमत हैं क**िभारत-जापान एक्ट ईस्ट फोरम** भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के वकिास को प्राथमकिता देने में उपयोगी रहा।

भारत और जापान के बीच अन्य हालयिा घटनाक्रम:

- मार्च 2022 में जापान के प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच होने वाले **14वें भारत-जापान वार्षकि शखिर सम्मेलन** के लयि भारत की आधकिारकि यात्रा की थी।
- इससे पहले भारतीय प्रधानमंत्री ने गुजरात में अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसएिशन (AMA) में एक जापानी 'ज़ेन गार्डन - काइज़न अकादमी' का उद्घाटन कयिा।
- भारत, जापान और ऑस्ट्रेलयिा द्वारा हाल ही में चीन के आक्रामक राजनीतकि एवं सैन्य व्यवहार के मद्देनज़र चीन पर अपनी नर्भिरता को कम करने के लयि एक त्रपिक्षीय 'सप्लाई चेन रेज़ीलएिंस इनीशएिटवि' (SCRI) शुरू करने के प्रस्ताव पर वचिार कयिा जा रहा है।
- वर्ष 2020 में भारत और जापान ने एक रसद समझौते पर हस्ताक्षर कयि थे, जो दोनों देशों के सशस्त्र बलों को सेवाओं और आपूर्तमिें समन्वय स्थापति करने की अनुमतदिगा। इस समझौते को 'अधग्रिहण और क्रॉस-सर्वसिगि समझौते' (ACSA) के रूप में जाना जाता है।
- वर्ष 2014 में भारत और जापान ने 'वशिेष रणनीतकि व वैश्वकि भागीदारी' के क्षेत्र में अपने संबंधों को उन्नत कयिा था।
- अगस्त 2011 में लागू 'भारत-जापान व्यापक आर्थकि भागीदारी समझौता' (CEPA) वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, नविश, बौद्धकि संपदा अधकिार, सीमा शुल्क प्रक्रयिाओं तथा व्यापार से संबंधति अन्य मुद्दों को शामलि करता है।
    - जापान, भारत का 12वाँ सबसे बड़ा व्यापारकि भागीदार है तथा दोनों देशों के बीच व्यापार की मात्रा के मामले में **भारत-चीन द्वपिक्षीय व्यापार** का सरि्फ पाँचवाँ हस्सिा है।
- **रक्षा अभ्यास:** भारत और जापान के रक्षा बल द्वपिक्षीय अभ्यासों की शृंखला आयोजति करते हैं, जैसे कजिमिेक्स (नौसेना), शनियिू मैत्री (वायुसेना) और अभ्यास धर्म गार्जयिन आद। दोनों देश संयुक्त राज्य अमेरकिा तथा ऑस्ट्रेलयिा के साथ मालाबार अभ्यास (नौसेना अभ्यास) में भी भाग लेते हैं।
- भारत और जापान दोनों ही क्वाड, जी20 और जी-4 के सदस्य हैं।
- वे अंतर्राष्ट्रीय इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लयिर एक्सपेरमिेंटल रएिक्टर (ITER) के सदस्य देश भी हैं।

आगे की राह

- मेक इन इंडयिा में अपार संभवनाएँ वद्यिमान हैं। जापानी डजिटिल प्रौद्योगकिी को भारतीय कच्चे माल और श्रम के साथ संयोजति करके संयुक्त उद्यमों की स्थापना जा सकती है।
- भौतकि और साथ ही डजिटिल स्पेस में एशयिा तथा हदि-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती भूमकिा का मुकाबला करने के लयि घनषि्ठ सहयोग सबसे अच्छा उपाय है।

यूपीएससी सवििल सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQ):

नम्निलखिति में से कौन से समूह में G20 के सदस्य सभी चार देश शामलि हैं? (2020)

(a) अर्जेंटीना, मेक्सकिो, दक्षणि अफ्रीका और तुर्की
(b) ऑस्ट्रेलयिा, कनाडा, मलेशयिा और न्यूज़ीलैंड
(c) ब्राज़ील, ईरान, सऊदी अरब और वयितनाम
(d) इंडोनेशयिा, जापान, सगिापुर और दक्षणि कोरयिा

उत्तर: (a)

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस